प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

फ्रांस के विद्यार्थियों का पंतनगर विष्वविद्यालय में अध्ययन भ्रमण

पंतनगर। 17 अक्टूबर, 2025। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में डेफिया परियोजना के अंतर्गत फ्रांस के नौ विद्यार्थियों का एक दल सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अध्ययन भ्रमण हेतु पहुंचा। यह दल विभिन्न फ्रांसीसी शैक्षणिक संस्थानों से आया है और दो–दिवसीय (17–18 अक्टूबर 2025) भ्रमण के दौरान महाविद्यालय के विविध विभागों में संचालित शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों का अध्ययन करेगा।

विद्यार्थियों का स्वागत डा. अल्का गोयल, अधिष्ठात्री, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय; सहायक प्राध्यापक डा. शेफाली मैसी और डा. दिव्या सिंह सहित संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। स्वागत सत्र में डा. गोयल ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की स्थापना, विभिन्न विभागों, पाठ्यक्रमों और अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी।

दो–दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत आज फ्रांसीसी विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। खाद्य एवं पोषण विभाग में उन्हें मफिन, केक आदि बेकरी उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया सिखाई गई। परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग में विद्यार्थियों को वस्त्र रंगाई और छपाई की तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया, जिसके अंतर्गत उन्होंने स्वयं रंगाई की विभिन्न तकनीकों से आकर्षक नमूने तैयार किए।

आर.एम.सी.एस. विभाग द्वारा विद्यार्थियों को उत्तराखंड की पारंपरिक ऐपण कला सिखाई गई, वहीं पारिवारिक विकास एवं मानव संसाधन प्रबंधन विभाग ने उन्हें डे–केयर सेंटर और नर्सरी स्कूल का भ्रमण कराया तथा शिक्षण–सीखने की अभिनव विधियों से परिचित कराया।

ई.ई.सी.एम. विभाग में विद्यार्थियों ने डिजिटल डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमें उन्हें कंप्यूटर पर पोस्टर, ग्रीटिंग कार्ड और अन्य रचनात्मक डिजाइनों को तैयार करने की विधि सिखाई गई।

प्रशिक्षण सत्रों में डा. नीतू डोभाल, डा. ऋतु सिंह, डा. शेफाली मैसी, डा. संध्या रानी, डा. पूजा टम्टा सहित संकाय सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

परियोजना के सफल संचालन एवं भ्रमण की समुचित व्यवस्था निदेशक एवं समन्वयक डा. शिव प्रसाद, डा. ज्योति प्रसाद, डा. श्वेता चौधरी, डा. शेफाली मैसी तथा श्री रवि मिश्रा द्वारा की गई।

डा. शिव प्रसाद ने कार्यशाला की सफलता पर सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि डेफिया परियोजना भारत और फ्रांस के बीच शिक्षा, संस्कृति और अनुसंधान सहयोग की एक मजबूत कड़ी है। उन्होंने कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस परियोजना के सफल संचालन हेतु निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया।